विषय–सूची

भाग–I (PART-I)

व्यष्टि अर्थशास्त्र अथवा आर्थिक विश्लेषण
(MICRO ECONOMICS OR ECONOMIC ANALYSIS)

यूनिट–1 (UNIT - I)

1. **अर्थशास्त्र की प्रकृति और क्षेत्र**
(Nature and Scope of Economics)

समष्टि अर्थशास्त्र का अर्थ; समष्टि अर्थशास्त्र की मुख्य विशेषताएं; समष्टि अर्थशास्त्र की मान्यताएं; समष्टि अर्थशास्त्र के उपयोग या महत्त्व; समष्टि अर्थशास्त्र का क्षेत्र; समष्टि अर्थशास्त्र की सीमाएं; व्यष्टि अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र में भेद, दोनों मार्गों के परस्पर संबंध तथा एकीकरण की समस्याएं; प्रश्न

2. **व्यष्टि और समष्टि अर्थशास्त्र**
(Micro and Macro Economics)

प्रस्तावना, व्यष्टि अर्थशास्त्र; समष्टि अर्थशास्त्र; व्यष्टि अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र में भेद; व्यष्टि अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र के बीच संबंध; प्रश्न

3. **आर्थिक नियमों की प्रकृति**
(The Nature of Economic Laws)

अर्थशास्त्र क्या है?; आर्थिक नियमों की अन्य नियमों से तुलना; प्रश्न

4. **आर्थिक विश्लेषण की विधियां**
(Methods of Economic Analysis)

निगमन विधि; निगमन विधि के सोपान; आगमन विधि; आगमन विधि की सोपान; प्रश्न

5. स्थैतिक एवं प्रावैगिक अर्थशास्त्र **415934**

(Static and Dynamic Economics)

स्थैतिक अर्थशास्त्र; प्रावैगिक अर्थशास्त्र; तुलनात्मक स्थैतिकी; आर्थिक स्थैतिकी का महत्त्व; आर्थिक प्रावैगिकी का महत्त्व; आर्थिक प्रावैगिकी की सीमाएं; स्थिर अवस्था पर टिप्पणी; प्रश्न

6. संतुलन की धारणाएं
(Concepts of Equilibrium)

संतुलन का अर्थ; स्थैतिक संतुलन; तुलनात्मक स्थैतिक संतुलन; गत्यात्मक संतुलन; स्थैतिक और गत्यात्मक संतुलन में भेद; स्थिर बनाम अस्थिर संतुलन; तटस्थ संतुलन; आंशिक संतुलन; सामान्य संतुलन; अल्पकालीन तथा दीर्घकालीन संतुलन; संतुलन का महत्व; प्रश्न

7. गणनावाचक उपयोगिता विश्लेषण
(Cardinal Utility Analysis)

प्रस्तावना; उपयोगिता विश्लेषण की मान्यताएं; कुल उपयोगिता और सीमांत उपयोगिता; घटती सीमांत उपयोगिता का नियम; घटती सीमान्त उपयोगिता का महत्त्व; सम-सीमांत उपयोगिता का नियम; उपभोक्ता का संतुलन; उपयोगिता विश्लेषण के दोष या आलोचनाएं; प्रश्न

8. उदासीनता वक्र विश्लेषण
(Indifference Curve Analysis)

प्रस्तावना; उदासीनता वक्र का अर्थ; उदासीनता वक्र विश्लेषण की मान्यताएं; प्रतिस्थापन की घटती दर का नियम; उदासीनता वक्रों की विश्लेषताएं; कीमत-आय रेखा या बजट रेखा; उपभोक्ता का संतुलन; आय प्रभाव या उपभोक्ता के संतुलन पर आय में परिवर्तन का प्रभाव; प्रतिस्थापन प्रभाव; कीमत प्रभाव या उपभोक्ता के संतुलन पर कीमत में परिवर्तन का प्रभाव; कीमत प्रभाव के प्रतिस्थापन प्रभाव और आय कीमत; कीमत उपभोग वक्र से मांग वक्र खींचना; उदासीनता वक्र विश्लेषण के लाभ या व्यावहारिकता; उदासीनता वक्र तकनीक की उपयोगिता विश्लेषण से श्रेष्ठता; उदासीनता वक्र विश्लेषण की आलोचनाएं; उदासीनता वक्र विश्लेषण से संबंधित कुछ धारणाओं की सक्षिप्त व्याख्या; प्रश्न

9. मांग का प्रकटित अधिमान सिद्धांत
(Revealed Preference Theory of Demand)

प्रस्तावना; चुनाव अधिमान को प्रकट करता है; मांग का नियम; प्रकटित अधिमान से मांग वक्र की व्युत्पत्ति; प्रकटित अधिमान सिद्धांत की श्रेष्ठता; प्रकटित अधिमान सिद्धांत के दोष; प्रश्न

10. उपभोक्ता की बचत की धारणा
(Concept of Consumer's Surplus)

प्रस्तावना; उपभोक्ता की बचत का अर्थ; मार्शल की उपभोक्ताकी बचत की धारणा; इसकी आलोचनाएं; उदासीनता वक्र विश्लेषण में उपभोक्ता की बचत; धारणा की व्यावहारिक लाभदायकता; प्रश्न

11. मांग विश्लेषण
(Demand Analysis)

मांग का अर्थ; मांग अनुसूची और मांग वक्र; मांग का नियम; मांग में परिवर्तन; मांग फलन; मांग को प्रभावित करने वाले कारक; प्रश्न

12. मांग की लोच
(Elasticity of Demand)

प्रस्तावना; मांग की कीमत लोच; मांग की आय लोच; मांग की कीमत लोच को प्रभावित करने वाले तत्त्व; कीमत लोच सिद्धांत का महत्त्व; प्रश्न

यूनिट–2 (UNIT - II)

13. उत्पादन फलन : परिवर्तनशील अनुपातों और पैमाने के प्रतिफल के नियम
(Production Function : Laws of Variable Proportions and Returns to Scale)

उत्पादन फलन; उत्पादन फलन के प्रकार; परिवर्तनशील अनुपातों का नियम; पैमाने के प्रतिफलन का नियम; घटते प्रतिफलन का नियम; बढ़ते प्रतिफल का नियम; समान प्रतिफल का नियम; प्रश्न

14. उत्पादन फलन : समोत्पाद वक्र विश्लेषण
(Production Function : Equal Product Curve Analysis)

समोत्पाद वक्र; तकनीकी प्रतिस्थापन की सीमान्त दर का नियम; समोत्तपाद वक्रों की विशेषताएं; समलागत वक्र और प्रसार पथ; समोत्पाद वक्रों द्वारा परिवर्तनशील अनुपातों का नियम; समोत्पाद; वक्रों द्वारा पैमाने के प्रतिफल के नियम; साधन के प्रतिफल और पैमाने के प्रतिफल में संबंध; उत्पादक का संतुलन; आंतरिक और बाहरी किफायतें और हानियां; प्रश्न

15. लागतों की प्रकृति
(The Nature of Costs)

उत्पादन लागतों का अर्थ; स्पष्ट लागतें और निहित लागतें; अवसर लागत; कुल औसत और सीमांत लागतें; फर्म के दीर्घकालीन लागत वक्र; *SAC* वक्र की अपेक्षा *LAC* वक्र अधिक चपटा; प्रश्न

16. आगम की धारणा
(The Concept of Revenue)

कुल; औसत और सीमांत आगम; विभिन्न मार्किट स्थितियों में AR और MR के बीच संबंध; औसत आगम, सीमान्त आगम तथा लोच; आगम की धारणा का महत्त्व; प्रश्न

यूनिट–3 (UNIT - III)

17. बाजारों की संरचना
(Structure of Markets)

बाजार का अर्थ; बाजार की विशेषताएं; एकाधिकार बाजार; अपूर्ण प्रतियोगिता बाजार; प्रश्न

18. पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत फर्म और उद्योग का संतुलन
(Equilibrium of Firm & Industry under Perfect Competition)

पूर्ण प्रतियोगिता का अर्थ; पूर्ण प्रतियोगिता की विशेषताएं; पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत फर्म का मांग वक्र; फर्म और उद्योग का अर्थ; फर्म के संतुलन की शर्तें; फर्म का संतुलन; पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत उद्योग का संतुलन; प्रश्न

19. पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत कीमत निर्धारण
(Pricing under Perfect Competition)

प्रस्तावना; पूर्ण प्रतियोगी बाजार में कीमत निर्धारण; कीमत निर्धारण में समय तत्त्व का महत्त्व; बाजार कीमत और सामान्य कीमत में तुलना; प्रश्न

20. पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत प्रर्ति वक्र
(Supply Curve under Perfect Competition)

प्रस्तावना; पूर्ण प्रतियोगिता में फर्म एवं उद्योग का अल्पकालीन पूर्ति वक्र; पूर्ण प्रतियोगिता में उद्योग का दीर्घकालीन पूर्ति वक्र; प्रश्न

21. प्रतिनिधि, संतुलन और इष्टतम फर्में
(Representative, Equilibrium and Optimum Forms)

प्रतिनिधि फर्म; संतुलन फर्म; इष्टतम फर्म; प्रश्न

22. एकाधिकार के अन्तर्गत कीमत और उत्पादन निर्धारण तथा कीमत विभेद
(Price and Output Determination under Monopoly and Price Discrimination)

एकाधिकार का अर्थ; एकाधिकार के कारण; एकाधिकार के अंतर्गत मांग वक्र और लागतें; एकाधिकार के अंतर्गत कीमत और उत्पादन निर्धारण; एकाधिकार कीमत विभेद; पूर्ण प्रतियोगिता एवं एकाधिकार में अन्तर; प्रश्न

23. एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता के अन्तर्गत कीमत और उत्पादन निर्धारण
(Price and Output Determination under Monopolistic Competition)

अर्थ; इसकी विशेषताएं; एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता के अन्तर्गत फर्म का कीमत निर्धारण; चैम्बरलेन का समूह संतुलन; विक्रय लागतें; पूर्ण प्रतियोगिता तथा एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता में अन्तर; एकाधिकार और एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता में अन्तर; प्रश्न

24. द्वयाधिकार तथा अल्पाधिकार
(Duopoly and Oligopoly)

द्वयाधिकार का अर्थ; कूर्नो मॉडल; ऐज्वर्थ मॉडल; चैम्बरलेन मॉडल (अल्प ग्रुप मॉडल; अल्पाधिकार; अर्थ; प्रश्न

25. खोज, असममित सूचना तथा दक्ष बाजार के सिद्धान्त
Theories of Search, Asymmetric Information and Efficient Markets

प्रस्तावना; खोज का सिद्धान्त; असममित (या अपूर्ण) सूचना सिद्धांत; प्रश्न

26. आर्थिक संगठन के प्रकार
Forms of Economic Organisation

पूँजीवाद का अर्थ; पूँजीवाद की परिभाषाएँ; पूँजीवादी अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ; पूँजीवाद के गुण; पूँजीवाद के दोष; समाजवाद का अर्थ; समाजवाद की परिभाषाएँ; समाजवाद की विशेषताएँ; समाजवाद के गुण; समाजवाद के दोष; मिश्रित अर्थव्यवस्था; मिश्रित अर्थव्यवस्था का अर्थ; मिश्रित अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ; मिश्रित अर्थव्यवस्था के लाभ; मिश्रित अर्थव्यवस्था के दोष; प्रश्न

यूनिट–4 (UNIT - IV)

27. वितरण का सीमांत उत्पादकता सिद्धांत
(Marginal Productivity Theory of Distribution)

राष्ट्रीय आय का वितरण; साधन उत्पादकता की धारणाएं; साधन लागत धारणाएं; पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत सीमांत उत्पादकता सिद्धांत; एकाधिकारात्मक या अपूर्ण प्रतियोगिता मार्किट में साधन कीमत निधरिण; प्रश्न

28. मजदूरी निर्धारण के सिद्धांत
(Theories of Wage Determiniation)

मजदूरी का सीमांत उत्पादकता सिद्धांत; मजदूरी का आधुनिक सिद्धांत; अपूर्ण श्रम बाजार; प्रश्न

29. लगान
(Rent)

अर्थ; लगान की धारणाएं; रिकार्डो का लगान सिद्धांत; लगान का आधुनिक सिद्धांत; आभास-लगान; लगान तथा कीमत; प्रश्न

30. ब्याज दर निर्धारण के सिद्धांत
(Theories of Interest Rate Determination

ब्याज का क्लासिकी (परम्परावादी) सिद्धांत; ब्याज का ऋणयोग्य निधि सिद्धांत; केन्ज़ का ब्याज का तरलता अधिमान सिद्धांत; प्रश्न

31. लाभ के सिद्धांत
(Theories of Profits)

गत्यात्मक सिद्धांत; शूम्पीटर का नवप्रवर्तन सिद्धांत; जोखिम सिद्धांत; अनिश्चितता उठाने का सिद्धांत; लाभ का लगान सिद्धांत; पूर्ण प्रतियोगिता के अंतर्गत लाभों का निर्धारण आधुनिक सिद्धांत; प्रश्न

भाग–II (PART-II)

समष्टि अर्थशास्त्र (MACRO ECONOMICS)

यूनिट–1 (UNIT - I)

32. राष्ट्रीय आय की धारणाएं और माप
(Concepts and measurements of National Income)

प्रस्तावना; राष्ट्रीय आय की धारणाएं एवं माप की विधियां; राष्ट्रीय आय के माप में कठिनाइयां या सीमाएं; विकासशील अर्थव्यवस्था में राष्ट्रीय आय मापने की समस्याएं; राष्ट्रीय आय विश्लेषण का महत्त्व; राष्ट्रीय आय की धारणाओं में परस्पर संबंध; कुछ समस्याओं के हल; प्रश्न

33. आर्थिक कल्याण और राष्ट्रीय आय
(Economic Welfare and National Income)

आर्थिक कल्याण क्या है?; आर्थिक कल्याण व राष्ट्रीय आय में सम्बन्ध; राष्ट्रीय आय आर्थिक कल्याण के माप के रूप में; प्रश्न

34. आय और व्यय का चक्रीय प्रवाह
(Circular Flow of Income and Expenditure)

अर्थ; घरेलू और व्यवसाय क्षेत्रों के बीच आय और व्यय का चक्रीय प्रवाह; बचत और निवेशयुक्त आय का चक्रीय प्रवाह; त्रि-क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था या सरकारी क्षेत्र युक्त आय का चक्रीय प्रवाह; विदेशी क्षेत्र युक्त आय और व्यय या चार-क्षेत्रीय चक्रीय प्रवाह; चक्रीय प्रवाह का महत्त्व; प्रश्न

35. रोजगार का क्लासिकी सिद्धांत

(The Classical Theory of Employment)

प्रस्तावना; पूर्ण क्लासिकी मॉडल का सारांश; केन्ज द्वारा क्लासिकी सिद्धांत की आलोचनाएं; प्रश्न

36. 'से' का बाजार नियम
(Say's Law of Markets)

'से' का नियम; 'से' के नियम की प्रस्थापनाएं और उसमें निहितार्थ; 'से' के नियम की आलोचनाएं; प्रश्न

37. रोजगार का केन्ज़ीय सिद्धांत
(The Keynesian Theory of Employment)

प्रस्तावना; केन्ज़ का रोजगार सिद्धांत; रोजगार का केन्ज़ीय सिद्धांत; पूर्ण मॉडल; केन्ज के रोजगार सिद्धांत की आलोचनाएं; रोजगार के क्लासिकी और केन्ज़ीय सिद्धांतों की तुलना; कुछ महत्त्वपूर्ण धारणाओं की व्याख्या; प्रश्न

38. केन्ज़ीय आय निर्धारण मॉडल
(Keynesian Income Determination Model)

~~प्रस्तावना; आय निर्धारण मॉडल; प्रश्न~~

यूनिट–2 (UNIT - II)

39. उपभोग फलन
(The Consumption Function)

प्रस्तावना; उपभोग फलन या उपभोग प्रवृत्ति का अर्थ; उपभोग फलन की विशेषताएं या तकनीकी विशेषताएं; सीमांत उपभोग प्रवृत्ति और औसत उपभोग प्रवृत्ति में संबंध; सीमांत उपभोग प्रवृत्ति का महत्त्व और विशेषताएं; केन्ज़ का उपभोग का मनोवैज्ञानिक नियम; केन्ज़ के नियम के निहित तत्त्व अथवा उपभोग फलन का महत्त्व; उपभोग फलन के निर्धारक तत्त्व; उपभोग प्रवृत्ति बढ़ाने के उपाय; प्रश्न

40. बचत फलन
(The Saving Function)

बचत फलन का अर्थ; बचत के निर्धारक; किफायत का विरोधाभास; प्रश्न

41. निवेश फलन
(The Investment Function)

निवेश का अर्थ; निवेश के प्रकार; पूंजी की सीमांत उत्पादकता; निवेश की सीमांत उत्पादकता या निवेश मांग अनुसूचि; प्रेरित निवेश या पूंजी की सीमांत उत्पादकता को प्रभावित करने वाले कारक; प्रश्न

42. बचत तथा निवेश समानता

(Saving and Investment Equality)

प्रस्तावना; क्लासिकी विचारधारा; केन्ज़वादी विचारधारा; केन्ज़ की विचारधाराओं का समन्वय; प्रश्न

43. निवेश गुणक
(Investment Multiplier)

प्रस्तावना; निवेश गुणक; कार्यकरण; मान्यताएं; रिसाव; आलोचनाएं; महत्त्व; प्रश्न

44. व्यवसायिक संभावनाएं और दीर्घकालिक गतिहीनता
(Business Expectations and Secular Stagnation)

व्यावसायिक संभावनाएं; दीर्घकालिक गतिहीनता; प्रश्न

45. त्वरक
(Acceleration)

प्रस्तावना; त्वरक सिद्धांत; त्वरक सिद्धांत का समष्टि अर्थशास्त्र में महत्त्व; त्वरक और गुणक में अन्तर; प्रश्न

46. अल्पविकसित देशों पर केन्ज़ के सिद्धांत की व्यवहार्यता
(Applicability of Keynes Theory on Underdeveloped Countries)

प्रस्तावना; केन्ज़वादी मान्यताएं तथा अल्पविकसित देश; केन्जवादी सिद्धांत के औजार तथा अल्पविकसित देश; प्रश्न

47. व्यापार-चक्रों की प्रकृति एवं सिद्धांत
(Nature of Business Cycles and Theories)

अर्थ; व्यापार चक्र की विशेषताएं; व्यापार-चक्र की अवस्थाएं; व्यापार-चक्र संबंधी सिद्धांत; स्थिरीकरण नीतियां या व्यापार-चक्रों को नियंत्रित करने के उपाय; प्रश्न

48. स्फीति तथा अवस्फीति
(Inflation and Deflation)

प्रस्तावना; स्फीति का अर्थ एवं प्रकार; स्फीति अन्तराल; मांगजन्य अथवा स्फीति का मौद्रिक सिद्धान्त; लागतजन्य स्फीति; फिलिप्स वक्र; बेरोजगारी और स्फीति में सम्बन्ध; स्फीति के कारण; विकसित देशों में स्फीति रोकने के उपाय; विकासशील देशों में स्फीति रोकने के उपाय; स्फीति के प्रभाव; अवस्फीति; स्फीति की आर्थिक विकास में भूमिका; गतिहीन स्फीति; प्रश्न

भाग–III (PART-III)

मुद्रा एवं बैंकिंग (MONEY BANKING)

49. मुद्रा की प्रकृति एवं कार्य

(Nature and Functions of Money)

मुद्रा का अर्थ और प्रकृति; मुद्रा के कार्य; प्रश्न

50. मुद्रा का महत्त्व अथवा भूमिका
(Significance or Role of Money)

मुद्रा की भूमिका का सामाजिक महत्व; मुद्रा के दोष; पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में मुद्रा का कार्य; समाजवादी अर्थव्यवस्था में मुद्रा की भूमिका; मिश्रित अर्थव्यवस्था में मुद्रा का कार्य; प्रश्न

51. मुद्रा के मूल्य में परिवर्तनों के माप : सूचकांक
(Measurements Changes in the Value of Money : Index Numbers)

सूचकांक; सूचकांक तैयार करने के तरीके; सूचकांक निर्मित करने में कठिनाइयां; सूचकांकों के लाभ; प्रश्न

52. मूद्रा का परिमाणा सिद्धांत
(The Quantity Theory of Money)

मुद्रा के मूल्य का अर्थ; फिशर का नकदी लेन-देन सिद्धांत; नकदी शेष केम्ब्रिज सिद्धांत या समीकरण; लेन-देन सिद्धांत बनाम नकदी शेष सिद्धांत; नकदी शेष सिद्धांत की लेन-देन सिद्धांत पर श्रेष्ठता; प्रश्न

53. मुद्रा का आय-व्यय सिद्धांत
(Income-Expenditure Theory of Money

भूमिका; आय-व्यय दृष्टिकोण; बचत-निवेश दृष्टिकोण; आय-व्यय (अथवा बचत-निवेश) सिद्धान्त की परिमाण सिद्धान्त पर श्रेष्ठता; प्रश्न

54. मुद्रा तथा कीमतों का केन्ज़ीय सिद्धांत
(The Keynesian Theory of Money and Prices)

केन्ज़ द्वारा पुनः व्यवस्थापित मुद्रा का परिमाण सिद्धांत; परंपरागत मुद्रा के परिमाण सिद्धांत पर केन्ज़ीय सिद्धांत की श्रेष्ठता; केन्ज़ के मुद्रा और कीमत सिद्धांत की आलोचनाएं; प्रश्न

55. मुद्रा की मांग
(The Demand for Money)

भूमिका; क्लासिकी मत; केन्ज़ीय मत; तरलता अधिमान; फ्रीडमैन का मुद्रा का मांग सिद्धांत; फ्रीडमैन तथा केन्ज़ के मुद्रा मांग सिद्धांतों में अन्तर; प्रश्न

56. मुद्रा की पूर्ति

(The Supply of Money)

मुद्रा पूर्ति की परिभाषा; मुद्रा पूर्ति के निर्धारक; भारत में मुद्रा पूर्ति के माप या घटक; प्रश्न

57. वाणिज्यिक बैंकों के कार्य
(Functions of Commercial Banks)

अर्थ; वाणिज्यिक बैंकों के कार्य; वाणिज्यिक बैंक का तुलन पत्र; विकासशील देश में वाणिज्यिक बैंकों की भूमिका; प्रश्न

58. वाणिज्यिक बैंकों के प्रकार, ढांचा और प्रबंधन
(Types, Structure and Management of Commercial)

भूमिका; यूनिक बैंकिंग; शाखा बैंकिंग; समूह बैंकिंग; श्रृंखला बैंकिंग; मिश्रित बैंकिंग; सहसंबंधी बैंकिंग; प्रश्न

59. वाणिज्यिक बैंकों की नीतियां और सिद्धांत
(Policies and Principles of Commercial Banks)

भूमिका; निवेश-सूची प्रबंधन के उद्देश्य; निवेश-सूची के सिद्धांत; वाणिज्यिक बैंकों की निवेश नीति; सुदृढ़ बैंकिंग व्यवस्था की आवश्यकताएँ; प्रश्न

60. साख निर्माण
(Credit Creation)

क्या बैंक साख निर्माण करते हैं?; साख निर्माण की प्रक्रिया; बैंकों की साख निर्माण की सीमाएं; प्रश्न

61. केन्द्रीय बैंकिंग : कार्य एवं साख-नियंत्रण
(Central Bank : Functions and Credit Control)

भूमिका; केन्द्रीय बैंक की परिभाषा; केन्द्रीय बैंक के कार्य; साख नियंत्रण; साख-नियंत्रण के तरीके; कमर्शियल बैंकों तथा केन्द्रीय बैंक में संबंध; विकासशील अर्थव्यवस्था में केन्द्रीय बैंक की भूमिका; प्रश्न

62. भारतीय मुद्रा बाजार
(Indian Money Market)

अर्थ; भारतीय मुद्रा बाजार का स्वरूप; भारतीय मुद्रा बाजार के कार्य अथवा मुद्रा बाजार का महत्व; भारतीय मुद्रा बाजार के संघटक; भारतीय मुद्रा बाजार के दोष; भारतीय मुद्रा बाजार में सुधार करने के सुझाव; प्रश्न

63. भारतीय रिजर्व बैंक
(Reserve Bank of India)

इसका संविधान; संगठनात्मक संरचना एवं प्रबन्धन; भारतीय रिजर्व बैंक के उद्देश्य; भारतीय रिजर्व बैंक के कार्य; भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यों का आलोचनात्मक मूल्यांकन; प्रश्न

भाग–IV (PART-IV)

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार (INTERNATIONAL TRADE)

64. आन्तरिक तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार
(Internal and International Trade)

अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र के अध्ययन का महत्व; प्रस्तावना; आंतरिक तथा अंतरार्ष्ट्रीय व्यापार में भिन्नताएं; आन्तरिक और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में समानताएं; क्या अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए पृथक सिद्धांत की आवश्यकता है?; प्रश्न

65. तुलनात्मक लागत का सिद्धान्त
(The Theory of Comparative Costs)

प्रस्तावना; तुलनात्मक लागत सिद्धान्त; सिद्धान्त की आलोचनाएं; प्रश्न

66. हैबरलर का अवसर लागत सिद्धांत
(Haberler's Theory of Opportunity Cost)

प्रस्तावना; अवसर लागत सिद्धांत; आलोचनात्मक मूल्यांकन; प्रश्न

67. मिल का पारस्परिक मांग का सिद्धांत
(Mill's Doctrine of Receiprocal Demand)

प्रस्तावना; प्रश्न

68. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ
(Gains from Trade)

अर्थ; अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ का मापना; अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ को निर्धारित करने वाले कारक; अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ और आय वितरण; व्यापार से स्थैतिक और गत्यात्मक लाभ; प्रश्न

69. व्यापार की शर्तें
(The Terms of Trade)

अर्थ; व्यापार की वस्तु या शुद्ध वस्तु विनिमय शर्तें; सकल वस्तु–विनिमय व्यापार की शर्तें; व्यापार की आय शर्तें; व्यापार की द्विघटकीय शर्तें; व्यापार की वास्तविक लागत शर्तें; व्यापार की उपयोगी शर्तें; व्यापार की शर्तों को प्रभावित करने वाले कारक; व्यापार की शर्तों का महत्त्व; प्रश्न

70. मुक्त व्यापार और संरक्षण नीति
(Free Trade and Protection Policy)

मुक्त व्यापार; संरक्षण; अल्पविकसित देशों में संरक्षण की आवश्यकता; प्रश्न

71. प्रशुल्क
(Tariffs)

अर्थ और प्रकार; प्रशुल्कों के प्रभाव; इष्टतम प्रशुल्क; प्रश्न

72. गैर-प्रशुल्क बाधाएं
(Non-Tariff Barriers)

अर्थ; गैर-प्रशुल्क बाधाओं का वर्गीकरण; गैर-प्रशुल्क बाधाओं के प्रकार; प्रश्न

73. आयात कोटा
(Import Quotas)

अर्थ और प्रकार; आयात कोटा के उद्देश्य; आयात-कोटा के प्रभाव; प्रशुल्कों तथा कोटा की समानता; आयात कोटा बनाम प्रशुल्क; आयात कोटा और प्रशुल्क के गुण एवं दोष; प्रश्न

74. विनिमय नियंत्रण
(Exchange Controls)

विदेशी विनिमय दर का अर्थ; तत्काल और अग्रिम विनिमय दर; विदेशी विनिमय दर के सिद्धान्त; विनिमय दर में परिवर्तन के कारण; प्रश्न

75. भुगतान शेष : अर्थ और घटक
(Balance of payments : Meaning & Components)

अर्थ; भुगतान शेष के घटक; क्या भुगतान शेष हमेशा संतुलन में होते हैं?; व्यापार शेष और भुगतान शेष; भुगतान शेष में असंतुलन; भुगतान शेष असंतुलन के परिणाम; प्रतिकूल (या घाटे के) भुगतान शेष को ठीक करने के उपाय; प्रश्न

76. विदेशी विनिमय दर
(Foreign Exchange Rate)

विनिमय दर का अर्थ; तत्काल और अग्रिम विनिमय दर; विनिमय दर के सिद्धांत; विनिमय दर में परिवर्तन के कारण अथवा विनिमय दर को प्रभावित करने वाले तत्व; प्रश्न

77. खुली अर्थव्यवस्था में विदेशी विनिमय दरें
(Foreign Exchange Rates in Open Economy)

प्रस्तावना; स्थिर विनिमय दरें; लोचदार विनिमय दरें; प्रश्न

78. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
(International Monetary Fund)

प्रस्तावना; कोष के उद्देश्य; कोष के कार्य; कोष का संगठन एवं ढांचा; IMF का कार्यकरण; सुधार के सुझाव; भारत तथा मुद्रा कोष; विशेष आहरण अधिकार; प्रश्न

79. विश्व बैंक
(The World Bank)

कार्य; सदस्यता; संगठन; पूंजी संरचना; निधीयन कूटनीति; उधार लेने तथा उधार देने की क्रियाएं; अन्य सक्रियताएं; विश्व बैंक के कार्यों की आलोचना; भारत तथा विश्व बैंक; प्रश्न

80. भारत का विदेशी व्यापार
(Foreign Trade of India)

प्रस्तावना; व्यापार का परिमाण; भारत के विदेशी व्यापार में ढांचागत परिवर्तन; व्यापार शेष; व्यापार की शर्तें; 1951 से भारत की भुगतान-शेष की स्थिति; 1990-91 में भुगतान शेष; प्रतिकूल भुगतान शेष के कारण; भुगतान शेष असन्तुलन को दूर करने के उपाय; भारत की 1991 से विदेश व्यापार सुधार नीति; नई विदेश व्यापार नीति, 2004-09; भारत का बाह्य ऋण; प्रश्न

81. हैक्शर-ओलिन का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धान्त या आधुनिक सिद्धान्त
(Heckscher-Ohlin Theory of International Trade or Modern Theory)

प्रस्तावना; सिद्धान्त का वक्तव्य; क्लासिकी सिद्धान्त की तुलना में इसकी श्रेष्ठता; इसकी आलोचनाएं; प्रश्न